आज
कानपुर 25 जून 2020 11

शोधार्थियों, युवा वैज्ञानिकों को दी गुणवत्तायुक्त बीजों की जानकारियां

कानपुर, 24 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से वित्तपोषित कास्ट एन सी योजना के अन्तर्गत परास्नातक एवं शोध छात्रों, युवा वैज्ञानिकों तथा संकाय सदस्यों को नवीन तकनीकी के प्रयोग बीजों का उत्पादन एवं गुणवत्ता वृद्धि करने हेतु पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान, परिषद के सहायक महानिदेशक डा. डी.के. यादव ने कहकि कुपोषण को दूर करने के उद्देश्य बायोफोर्टीफाइड प्रजातियों जैसे डी आर आर धान 45, सीआर धान 310, गेहूं डी बी डब्लू 173, सरसों में पूसा मस्टर्ड 30 प्रयोग करने की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहाकि 2040 तक 333 मीट्रिक टन अन्न की आवश्यकता होगी। आबादी की पूर्ति के लिए गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता जरूरी है। उन्होंने बताया कि अभी 30 प्रतिशत किसानों को ही गुणवत्तापूर्ण बीजों से 20 से 22 प्रतिशत उत्पादन क्षमता ज्यादा पायी जाती है। बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए श्रखला बीज जनक बीज से आधारीय, आधारीय से प्रमाणित बीजों को मजबूत करना होगा। अंत में कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सी.पी. सचान ने सम्पूर्ण प्रशिक्षण की विवेचना प्रस्तुत की। इस दौरान संजय चौधरी, प्रसून सचान, डा. अनिल सचान, डा. मनोज कटियार, मीडिया प्रभारी डा. खलील खान आदि मौजूद रहे।

देश में 2040 में 333 मीट्रिक टन खाद्यान की आवश्यकता

National training on Recent technological interventions for seed production and seed quality enhancement on nutritional crops held on June 22-23, 2020